चिन्मय इंग्लिश प्रायमरी स्कूल, हुब्बल्लि.

पूर्व परीक्षा १, 2024-25

कक्षा : दसवीं | विषय – हिन्दी | कुल अंक: ८०

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** [7]

महँगाई या मूल्य वृद्धि से आज समस्त विश्व त्रस्त है। भारत बढ़ती महँगाई की चपेट में बुरी तरह से जकड़ा हुआ है। जीवनोपयोगी वस्तुओं के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, जिससे जन साधारण को अत्यन्त कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। महँगाई से देश के आर्थिक ढाँचे पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। महँगाई के निर्मम चरण अनवरत रूप से अग्रसर हैं, पता नहीं वे कब, कहाँ रुकेंगे? आज कोई भी वस्तु बाज़ार में सस्ते दामों पर उपलब्ध नहीं है। समाज का प्रत्येक वर्ग महँगाई की मार को अनाहूत अतिथि की तरह सहन कर रहा है, इसका सर्वग्राही प्रभाव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर पड़ रहा है। सरकारी योजनाओं पर अत्यधिक खर्च हो रहा है। अपने स्वार्थ के लिए लोगों में धार्मिक, सामाजिक तथा नैतिक मान्यताएँ पीछे छूट जाती हैं और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो जाता है। अर्थशास्त्र की मान्यता है कि यदि किसी वस्तु की माँग उत्पादन से अधिक हो, तो मूल्यों में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हो जाती है।

1. विश्व की सबसे बड़ी समस्या क्या है? (1)
   (क) भ्रष्टाचार
   (ख) वस्तु की माँग
   (ग) उत्पादन
   (घ) महँगाई
2. महँगाई से देश की आर्थिक स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? (1)
   (क) आर्थिक ढाँचे पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है।
   (ख) जीवनोपयोगी वस्तुओं के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं
   (ग) कोई भी वस्तु बाज़ार में सस्ते दामों पर उपलब्ध नहीं है
   (घ) भ्रष्टाचार का बोलबाला है
3. **माँग** का विपरीत शब्द लिखिए। (1)
   (क) देना
   (ख) बाँटना
   (ग) पूर्ति
   (घ) प्रदान करना

4. स्वार्थ का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)

5. अर्थशास्त्र की मान्यता क्या है? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **[7]**

गीता के इस उपदेश की लोग प्रायः चर्चा करते हैं कि कर्म करें, फल की इच्छा न करें। यह कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं। कर्म के मार्ग पर आनन्दपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अन्तिम फल तक न भी पहुँचे, तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्म करते हुए उसका जो जीवन बीता वह संतोष या आनन्द में बीता, उसके उपरांत फल के प्राप्त न होने पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया। फल पहले से कोई बना-बनाया पदार्थ नहीं होता। अनुकूल प्रयत्न-कर्म के अनुसार, उसके एक-एक अंग की योजना होती है। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है। वह वैद्यों के यहाँ से जब तक औषधि ला-लाकर रोगी को देता जाता है तब तक उसके चित्त में जो संतोष रहता है, प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनन्द का उन्मेष होता रहता है-यह उसे कदापि न प्राप्त होता , यदि वह रोता हुआ बैठा रहता। प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह में बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दुःख में कटता। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्म-ग्लानि के उस कठोर दुःख से बचा रहेगा जो उसे जीवन भर यह सोच-सोच कर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया।

कर्म में आनन्द अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनन्द भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और शमन करते हुए कर्म करने से चित्त में जो तुष्टि होती है। वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है।

1. गद्यांश में गीता के किस उपदेश की ओर संकेत किया गया है? (1)
   (क) फल पहले से कोई बना-बनाया पदार्थ नहीं होता
   (ख) कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं
   (ग) फल के बारे में सोचें
   (घ) कर्म करें फल की चिंता नहीं करें
2. "कर्मण्य' किसे कहा गया है? (1)
   (क) फल के चिंतन में आनन्द का अनुभव करने वालों को
   (ख) काम करने में आनन्द का अनुभव करने वालों को
   (ग) काम न करने वालों को
   (घ) अधिक सोचने वालों को
3. _____ कर्म करते हुये चित्त में संतोष का अनुभव ही कर्मवीर का सुख माना गया है। (1)
   (क) अत्याचार का दमन और शमन करने की भावना से
   (ख) आत्म-ग्लानि की भावना से
   (ग) संतोष या आनन्द की भावना से
   (घ) उपचार की भावना से
4. कर्म करने वाले को फल न मिलने पर भी पछतावा क्यों नहीं होता? (2)
5. घर के बीमार सदस्य का उदाहरण क्यों दिया गया है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

i. वह गेंद की तरह लुढ़ककर गिर गया। वाक्य में प्रयुक्त **क्रिया-विशेषण** पदबंध लिखिए।

ii. अपने दोस्त **के साथ** वह चला गया। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

iii. बंगले के पीछे लगा पेड़ गिर गया। **विशेषण पदबंध** छाँटिये।

iv. **आसमान में उड़ता गुब्बारा** फट गया। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

v. मीठे-मीठे सपने देखने वाले लोग अकर्मण्य होते हैं। वाक्य में **विशेषण पदबंध** ढूँढ कर लिखिए।

4. नीचे लिखे वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपान्तर कीजिए- **[4]**

i. शुल्क माफ कराने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखो।(मिश्र वाक्य)

ii. रमेश ने कहा कि मुझे जल्दी जाना है।(सरल वाक्य)

iii. मैंने रोते हुए बच्चे को शांत किया और रोने का कारण पूछा।(सरल वाक्य)

iv. संन्यासी आशीर्वाद देकर अंतर्ध्यान हो गया।(संयुक्त वाक्य)

v. महंत की चिकनी-चुपड़ी बातों के भीतर की सच्चाई भी अब वह जान गए थे। (मिश्र वाक्य में)

5. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए और उपयुक्त समास का नाम भी लिखिए। **[4]**

i. यथार्थ (विग्रह कीजिए)

ii. शांतिप्रिय (विग्रह कीजिए)

iii. विद्या रूपी धन (समस्त पद लिखिए)

iv. चंद्र है शिखर पर जिसके अर्थात् शिव (समस्त पद लिखिए)

v. युद्ध में वीर (समस्त पद लिखिए)

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** मुहावरों का वाक्य में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका आशय स्पष्ट हो जाए: **[4]**

i. हक्का-बक्का रहना

ii. खुशी का ठिकाना न रहना

iii. दाँतों तले उँगली दबाना

iv. आँखें दिखाना

v. सपनों के महल बनाना

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। उसे यह अभिमान हुआ था कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहंकार किया था। भीख माँग-माँगकर मर गया। तुमने तो अभी केवल एक दरजा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके। यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अँधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है, बार-बार नहीं लग सकती। कभी-कभी गुल्ली-डंडे में भी अँधा-चोट निशाना पड़ जाता है। इससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता। सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए।

(a) बड़े भाई ने लेखक को शैतान का उदाहरण क्यों दिया?

क) घमण्ड के कारण पढ़ना-लिखना छेड़ न दे
ख) उपर्युक्त सभी
ग) घमण्ड से दूर रहने के लिए
घ) वह बात नहीं मानेगा तो उसे नरक के समान कष्ट भोगना पड़ेगा

(b) बड़े भाई ने लेखक पर क्या-क्या आरोप लगाए?

क) वह अपनी मेहनत से पास नहीं हुआ
ख) उसे घमण्ड हो गया है
ग) उसका यों ही तुक्का लग गया है
घ) उपर्युक्त सभी।

(c) बड़े भाई ने किस तर्क के आधार पर लेखक को असफल खिलाड़ी कहा?

क) क्योंकि उसने सफलता मेहनत से प्राप्त की है
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) क्योंकि उसने यों हीं सफलता तुक्के से प्राप्त की है
घ) अन्धे के हाथ बटेर लग गई है

(d) अहंकार करने वाले का क्या हाल होता है-गद्यांश के आधार पर बताइए।

क) दर-दर भीख माँगनी पड़ती है
ख) नाश होता है
ग) उसे नरक के समान जीना पड़ता है
घ) सभी

(e) वक्ता की मनःस्थिति का वर्णन करके लिखिए।

क) सभी
ख) असफल होने की कुंवा, छोटे भाई को कहने में न रख पाने की हताशा होना
ग) वह अपमान और उपेक्षा से पीड़ित व कर्त्तव्यबोध होना
घ) छेटे भाई की मौज मस्ती, सफलता और इर्ष्या आदि से उसका मन चित्त विचलित होना

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(a) **डायरी का एक पन्ना** पाठ के आधार पर बताइए कि **ओपन लड़ाई** किसे कहा गया है और यह अपूर्व थी, कैसे? **[2]**

(b) चाजीन ने कौन-सी क्रियाएँ गरिमापूर्ण ढंग से पूरी कीं? **झेन की देन** के आधार पर बताइए। **[2]**

(c) सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया? 'कारतूस' पाठ के आधार पर बताइए। **[2]**

(d) **शैलेंद्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं** - इस कथन से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(a) **मनुष्य मात्र बंधु-** है से क्या तात्पर्य है?

क) मनुष्य मात्र के अलग-अलग कर्म होना
ख) मनुष्य मात्र को अलग-अलग समझना
ग) मनुष्य मात्र के द्वारा सहयोग करना
घ) मनुष्य मात्र को परस्पर भाई-बंधु समझना

(b) अनर्थ क्या है?

क) भाई-भाई में घृणा का भाव न होना
ख) भाई का भाई से अलगाव
ग) भाई का भाई से लगाव
घ) भाई-भाई में सहानुभूति का भाव

(c) प्रत्येक मनुष्य अपना बंधु कैसे है?

क) एक देश में जन्म लेने से
ख) एक गाँव में जन्म लेने से
ग) एक परमात्मा की संतान होने से
घ) एक परिवार में जन्म लेने से

(d) मनुष्य-मात्र में भेद क्यों उत्पन्न होता है?

क) भिन्न खान-पान के कारण
ख) कर्मों की भिन्नता के कारण
ग) भिन्न देशों में जन्म के कारण
घ) भिन्न जलवायु के कारण

(e) कवि ने सभी मनुष्यों को क्या माना है ?

क) मित्र - शत्रु
ख) दोस्त - शत्रु
ग) भाई - बंधु
घ) भाई - शत्रु

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(a) भगवान भक्तों के संकट दूर करते हैं - यह सिद्ध करने के लिए मीरा ने क्या-क्या उदाहरण दिए हैं? [2]

(b) भाव स्पष्ट कीजिए- [2]

"गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्छाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।"

(c) कवि ने सैनिकों को राम-लक्ष्मण जैसा बनने के लिए क्यों कहा है? 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर बताइए। [2]

(d) **आत्मत्राण** कविता में कवि सहायक के न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है? [2]

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** [6]

(a) अपने जीते जी ही अपनी धन-संपत्ति को हड़पने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्र और दाँव-पेंच देखकर हरिहर काका पर क्या बीती होगी? कल्पना के आधार पर लिखिए। [3]

(b) **सपनों के-से दिन** पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक की हैरानी का क्या कारण था और क्यों? [3]

(c) **कस्टोडियन** शब्द से आप क्या समझते हैं? इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर **कस्टोडियन** क्यों चला गया? **टोपी शुक्ला** पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। [3]

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** [5]

(a) **दूर के ढोल सुहावने लगते हैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [5]

- दूर से कोई वस्तु/बात आकर्षक प्रतीत होती है
- अनजाने/अपरिचय का आकर्षण और जानने से उत्पन्न परेशानी
- दूर का आकर्षण नजदीक की समस्या
- सोच-समझकर किसी आकर्षण को अपनाना

(b) **ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [5]

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता
- सकारात्मक प्रभाव
- कमियाँ
- सुझाव

(c) **परिवार में नारी की स्थिति** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [5]

- माँ और पत्नी के रूप में
- समाज के प्रति
- अपने प्रति

13. अपने जन्मदिन पर मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए। [5]

अथवा

बस कंडक्टर के दुर्व्यवहार की शिकायत करते हुए मंगलापुरी डिपो के प्रबंधक को पत्र लिखिए।

14. **समाज-सेवा** क्लब किसी वृद्धाश्रम के लिए चादर, कंबल और गर्म कपड़े एकत्र करना चाहता है। उसके लिए 40-50 शब्दों में सूचना लिखिए। [4]

अथवा

आप निवासी कल्याण संघ के/की अध्यक्ष/अध्यक्षा अमृत कौशल/अमृता रानी हैं। सोसायटी में आयोजित होने वाले दिवाली मेले की जानकारी देते हुए लगभग **80** शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

15. विद्यालय की कलावीथि में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लिखिए। [3]

अथवा

आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं। कार संबंधी सम्पूर्ण जानकारी देते हुए लगभग **60** शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. आप ग्रीन वेल अपार्टमेंट, द्वारका में रहते हैं। आपके इलाक़े में एक सीवर टूट गया है जिसके कारण नाले का गंदा पानी सड़क पर आ गया है। ज्यादा गंदा फैल रहा है। सीवर की मरम्मत करवाने हेतु निगम अधिकारी को cdaf@eafg.com पर ईमेल लिखिये। [5]

अथवा

परीक्षा संकट में फंसा बेचारा विद्यार्थी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।